Ganapati (Ganesha) Sarvabhista Siddha Mantra
गणपति सर्वाभिष्ट सिद्धि मन्त्र

मन्त्र - वक्रतुण्डाय हुम्

विनियोग : ॐ अस्य श्रीगणेशमन्त्रस्य भार्गवऋषिरनुष्टुप छन्दः विघ्नेशो देवता वं बीजं यंशक्तिर्ममाभीष्टसिद्धये जपे विनियोगः ।

करन्यास

ॐ वं नमः अंगुष्ठाभ्यां नमः
ॐ क्रं नमः तर्जनीभ्यां नमः
ॐ तुं नमः मध्यमाभ्यां नमः
ॐ डां नमः अनामिकाभ्यां नमः
ॐ यं नमः कनिष्ठिकाभ्यां नमः
ॐ हुम् नमः करतलकरपृठाभ्यां नमः

हृदयादिन्यास (षडगंन्यास)

ॐ वं नमः हृदयाय नमः
ॐ क्रं नमः शिरसे स्वाहा
ॐ तुं नमः शिखायै वषट्
ॐ डां नमः कवचाय हुम्
ॐ यं नमः नेत्रत्रयाय वौषट
ॐ हुँ नमः अस्त्राय फट्

सर्वागंन्यास

ॐ वं नमः भ्रूमध्ये
ॐ क्रं नमः कण्ठे
ॐ तुं नमः हृदये
ॐ डां नमः नाभौ
ॐ यं नमः लिगें
ॐ हुम् नमः पादयो
ॐ वक्रतुण्डाय हुम् सर्वागें

ध्यान

उद्यद्दिनेश्वररुचिं निजहस्तपद्मैः
पाशांकुशाभयवरान् दधतं गजास्यम
रक्ताम्बरं सकलदुःखहरं गणेशं
ध्यायेत् प्रसन्नमखिलाभरणाभिरामम्

पुरश्चरण विधि : कोई भी मन्त्र तब तक सिद्ध नही होता जब तक उसको गुरू से प्राप्त कर उसका पुरश्चरण नही किया जाता एवं बिना सिद्ध किये किसी भी मन्त्र को जपने से कोई लाभ नही है। सबसे पहले इस मन्त्र को अपने गुरू से प्राप्त करें उसके पश्चात इस मन्त्र का 6 लाख की संख्या में जप करें । इसके पश्चात 60 हजार मन्त्रो से होम 6 हजार

मन्त्रो से तर्पण 600 मन्त्रो से मार्जन करें । इसके पश्चात ब्राहमणो को भोजन करायें। जब इस मन्त्र का पुरश्चरण हो जाये तो उसके पश्चात गुरू की आज्ञा से किसी भी इच्छा की पुर्ति के लिए इस मन्त्र का प्रयोग किया जा सकता है।

Shri Yogeshwaranand Ji
+919917325788,+91 9675778193
shaktisadhna@yahoo.com
www.anusthanokarehaysa.com

Some Of the Books Written By Shri Yogeshwarnand Ji

For Purchasing the books contact +919410030994

1. **Mahavidya Shri Baglamukhi Sadhana Aur Siddhi**

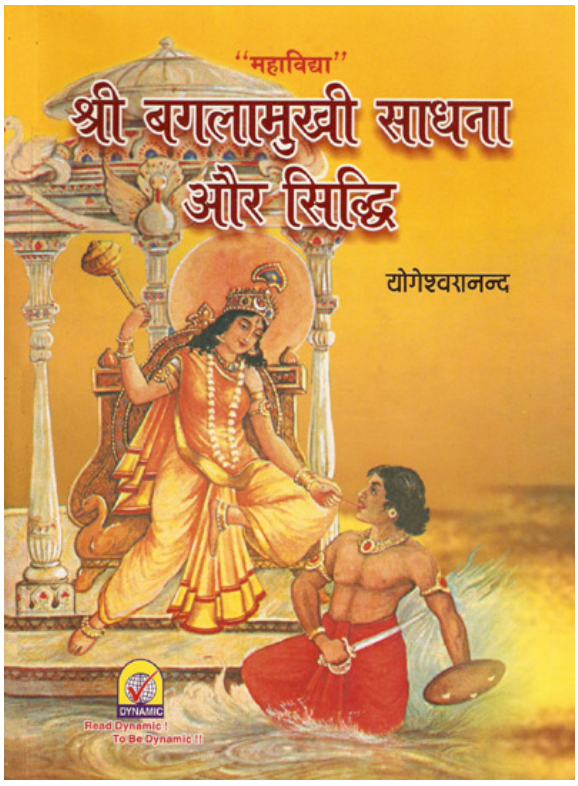

2. **Mantra Sadhana**

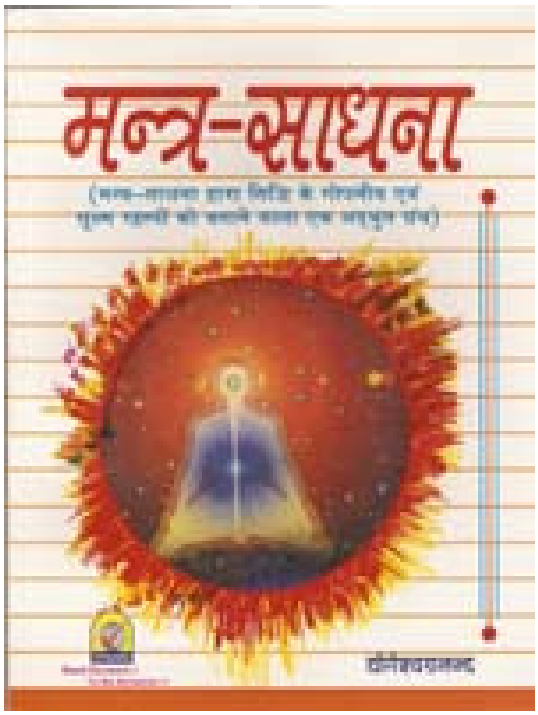

3. **Shodashi Mahavidya** (Shr MahaTripursundari Sadhana)